सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 241 | जौनपुर, मंगलवार, 28 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पूरे प्रदेश में प्रचंड गर्मी

लखनऊ, संवाददाता। पूरा यूपी गर्मी और लू की चपेट में है। नौतपा लगने के बाद पारा लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोत्तरी हुई है। सोमवार को दोपहर दो बजे ही आगरा और झांसी का तापमान 47 के पार हो गया। इसमें और बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। इधर राजधानी लखनऊ और उसके आसपास के इलाकों में दोपहर 12 बजे से ही तापमान 43 पार कर गया। मौसम विभाग के अनुसार आज यूपी के कुछ जिलों में इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रिकॉर्ड हो सकता है। गर्मी से झुलसा देने वाले हालात पूरे उत्तर प्रदेश में हैं। रविवार को राज्य के ज्यादातर हिस्सों में चढ़ा हुआ पारा प्रचंड गर्मी का अहसास करा रहा था। झांसी 47.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सर्वाधिक गर्म रहा। जबकि आगरा में पारा 46.8 और कानपुर में 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक मो. दानिश के मुताबिक मंगलवार से मौसम में मामूली बदलाव होने की उम्मीद है।

गर्म हवाएं चलने का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। 25 से 35 किमी की रफ्तार से गर्म हवा चलने के आसार हैं। कहीं लू तो कहीं तीव्र लू का असर दिख सकता है। पश्चिमी यूपी ज्यादा प्रभावित रहेगा। इसके अलावा प्रदेश के कई हिस्सों में गर्म रात भी हो सकती है।

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज ने पिस्टल के बट्ट से किए ड्राइवर पर वार, हुई गिरफ्तारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में दिनदहाड़े एक अजीब घटना घटी है। एक अंतराष्ट्रीय निशानेबाज ने कार में मामूली टक्कर हो जाने पर अपनी पिस्टल निकाल ली। उसने पीछे से आ रही कार ड्राइवर को पिस्टल के बट्ट से मारा। इस दौरान पूरी सड़क पर जाम लग गया और लोग वीडियो बनाने लगे। गोमतीनगर के विवेक खंड में रहने वाला विनोद मिश्र अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज है। सोमवार दोपहर फैजाबाद रोड वह गुजर रहा था। तभी उसने अचानक ब्रेक लगा दी। अचानक ब्रेक लगने से पीछे से आ रही कार उसकी एसयूवी से टकरा गई। इस मामूली बात पर विनोद ने अपना आपा खो दिया। वह अपनी एसयूवी से बाहर निकला और और सरेराह कार चालक सतीश पर पिस्टल की बट्ट से वार किये। इस दौरान पूरे सड़क जाम हो गई। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह के मुताबिक मामले को जांच की जा रही है। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होते ही पुलिस सक्रिय हो गई। उसके खिलाफ मुकदमा लिखा गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। लखनऊ के विभूतिखंड थाने के लॉकअपन में उसे रखा गया है।

भाजपा 400 पार करने वाली है और कांग्रेस 40 के अंदर सिमटने वाली - अमित शाह

चंदौली, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के चंदौली और सलेमपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और समजावादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा है। अमित शाह ने कहा कि भाजपा 400 पार करने वाली है और कांग्रेस 40 के अंदर सिमटने वाली है, अखिलेश जी 4 भी पार नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि ये चुनाव रामभक्तों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है। आप रामभक्तों पर गोली चलाने वाली समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को वोट दे सकते हो क्या? शाह ने कहा कि इस चुनाव में एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाले

दो शहजादे राहुल बाबा और अखिलेश यादव हैं। वहीं दूसरी ओर हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी हैं। अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि ये धमंडिया गठबंधन परिवारवादियों का गठबंधन है। उसके दलों के अध्यक्षों का लक्ष्य अपने बेटे–बेटी और भतीजों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंन जोर देते हुए कहा कि 4 जून के परिणाम सुनिश्चित है, भाजपा जीतने वाली है, 400 सीटें आने वाली हैं। उस दिन 4 बजे राहुल बाबा प्रेस कांफ्रेंस करेंगे और श्कहेंगे कि म्टड के कारण भाजपा जीती है। राहुल बाबा, हार का ठीकरा मशीनों पर मत फोड़िये, अपनी नीतियां देखिए, जिनके कारण जनता आपको नहीं चुनती। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है, च्वज्ञ मत मांगिए। अरे राहुल बाबा, आप इस देश को नहीं जानते हो, ना चंदौली वाले डरते हैं और ना भाजपा वाले एटम बम से डरते हैं। मैं चंदौली की पवित्र भूमि पर कहकर जाता हूं कि पीओके भारत का था, है और हम इसे लेकर रहेंगे। शाह ने कहा कि मोदी जी ने जम्मू–कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर दिया। ये राहुल बाबा उस समय भी कहते थे कि जम्मू–कश्मीर से 370 मत हटाओ, वहां खून की नदियां बह जाएंगी।

सीएम धामी ने चारधाम यात्रा आए श्रद्धालुओं से की मुलाकात

उत्तराखंड, एजेंसी। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा को शुरू हुए 17 दिन हो गए हैं। धामों के कपाट खुलते ही क्षमता और उम्मीद से ज्यादा श्रद्धालु एक साथ पहुंच रहे हैं, जिससे प्रशासन की तमाम व्यवस्था लड़खड़ा गई हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसके बाद मोर्चा संभाला और अपने विश्वसनीय और सबसे ज्यादा अनुभवी अधिकारियों को चारधाम यात्रा को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी सौंपी। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सीएम ने ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन 31 मई तक बंद करने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद हजारों की संख्या में हरिद्वार और ऋषिकेश पहुंचे श्रद्धालुओं को काफी निराशा हुई। ये लोग ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन खुलने का इंतजार कर रहे हैं। चारधाम यात्रा के रजिस्ट्रेशन कार्यालय का निरीक्षण किया, और साथ ही वहां रुके हुए तमाम श्रद्धालुओं से मुलाकात की और उनसे बात की। इस दौरान उन्होंने विदेशों और अन्य राज्यों से आए श्रद्धालुओं से भी बातचीत की और उनसे फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों से चारधाम यात्रा को लेकर जानकारी ली, साथ ही दी जा रही व्यवस्था और सुविधाओं को दुरुस्त रखने के साथ किसी भी तरह की कमी या लापरवाही न हो, इसके भी सख्त निर्देश दिए।

सीएम केजरीवाल ने की अंतरिम जमानत 7 दिन बढ़ाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट में लगाई याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने पीईटी–सीटी स्कैन समेत कुछ और मेडिकल जांच कराने के लिए अंतरिम जमानत को सात दिन और बढ़ाने की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने शराब घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में सीएम केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत दी है। उनको दो जून को सरेंडर करना है। सीएम अरविंद

केजरीवाल को शराब घोटाला मामले में ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। आम आदमी पार्टी के मुताबिक, गिरफ्तार होने के बाद से उनकी तबीयत बिगड़ी है। पार्टी का कहना है कि गिरफ्तारी के बाद उनका वजन 7 किलो घट गया जिसकी वजह से उनका कीटोन लेवल काफी हाई हो गया है, जो काफी गंभीर मेडिकल डिसऑर्डर है। पार्टी ने आगे कहा है कि सीएम को मेडिकल टेस्ट कराने के लिए 7 दिन का समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने 17 मई को सीएम केजरीवाल की एक याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, इस याचिका में उन्होंने शराब घोटाला मामले में एंटी–मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान, जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि सीएम केजरीवाल की रिहाई और आत्मसमर्पण की समयसीमा को लेकर उनका स्पष्ट आदेश है। कोई विशेष छूट नहीं दी गई है।

देश की जनता को मोदी जी की नीतियों पर विश्वास है - सीएम योगी

मऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मऊ में चुनाव सभा को संबोधित करते हुए कहा कि माफिया मिट्टी में मिल गया है अब, माफिया कुछ नहीं बचा है अब यहां। विपक्ष पर वार करते हुए योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के घोषणापत्र में कहा गया है कि अगर (केंद्र में) कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनती है, तो वे मुसलमानों को भी आरक्षण का लाभ देंगे...बाबा साहेब अंबेडकर ने कहा था कि धर्म आरक्षण का आधार नहीं हो सकता। एससीध एसटी समुदाय को आरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग आपका हक छीनना चाहते हैं। योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आरक्षण को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी प्रकार के मुस्लिम आरक्षण का विरोध

ा करती है। उन्होंने कहा कि देश की जनता को मोदी जी की नीतियों पर विश्वास है, उनके नेतृत्व पर विश्वास है। योगी ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा और लोगों से आग्रह किया कि वे उन्हें एक–एक वोट के लिए तरसाएं क्योंकि उन्हें वोट देने का मतलब आतंकवाद और माफिया राज को आमंत्रित करने के अलावा हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करना और गरीबों से उनका हक छीनना है। 400 पार की बात सुनते ही कांग्रेस, सपा, राजद समेत 'इंडिया' गठबंधन के सभी दल चारों खाने चित हो रहे हैं, क्योंकि इन्होंने 400 सीटों पर लड़ने का सपना ही नहीं देखा।

वहीं मोदी जी के नेतृत्व में देश के लिए किए गए योगदान की बदौलत जनता–जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा इस लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर बढ़ रही है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''एक समय था, जब बेटी–व्यापारी सुरक्षित नहीं थे। गाजीपुर इसका जीता जागता उदाहरण था। गाजीपुर हो आजमगढ़, मऊ हो या आसपास के जनपद भय और आतंक के साये में जीते थे।

आर्मी चीफ मनोज पांडे को मिला एक महीने का सेवा विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने 26 मई को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का कार्यकाल उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले एक महीने की अवधि के लिए बढ़ा दिया। जनरल पांडे को 25 महीने के कार्यकाल के बाद 31 मई को सेवा से सेवानिवृत्त होना था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने जनरल पांडे की सेवा में एक महीने के विस्तार को मंजूरी दे दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सेना नियम 1954 के 16 ए (4) के तहत 26 मई को थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज सी पांडे की सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु (31 मई) से परे एक महीने की अवधि के लिए, यानी 30 जून तक सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी।

कौन हैं जनरल मनोज पांडे?

जनरल एमएम नरवणे की सेवानिवृत्ति के बाद जनरल मनोज पांडे ने 30 अप्रैल, 2022 को 29वें सेना प्रमुख की भूमिका संभाली। इस नियुक्ति से पहले, जनरल पांडे ने सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया। भारतीय सेना का नेतृत्व करने वाले कोर ऑफ इंजीनियर्स के पहले अधिकारी होने के लिए उल्लेखनीय हैं। अपने प्रतिष्ठित

करियर के दौरान, जनरल पांडे ने अंडमान और निकोबार कमांड के कमांडर इन–चीफ का पद भी संभाला, जो भारत की एकमात्र त्रि–सेवा कमांड है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, जनरल पांडे को दिसंबर 1982 में कोर ऑफ इंजीनियर्स (द बॉम्बे सैपर्स) में नियुक्त किया गया था।

अन्य दावेदार कौन हैं?

लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी वर्तमान में सेनाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। जनरल पांडे के बाद सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी के बाद अगली कतार दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह हैं। दिलचस्प बात यह है कि लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल सिंह दोनों बैचमेट रह चुके हैं। 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले हैं, उसी दिन जनरल पांडे को दिया गया विस्तार समाप्त हो रहा है। सितंबर में जिस दिन वह सेवानिवृत्त होने वाले थे, उस दिन एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया को वायुसेना प्रमुख के रूप में नियुक्त करके स्थापित की गई मिसाल के बाद, सरकार के पास लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी या लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह को शीर्ष पद पर नियुक्त करने का विकल्प बरकरार है। लेफ्टिनेंट जनरल सिंह सेना प्रमुख पद के प्रबल दावेदार हैं। एक सूत्र ने कहा कि अगर नई सरकार लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल सिंह से आगे सोचती है तो सेंट्रल आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि मुख्य दावेदार हो सकते हैं।

गठबंधन सरकार बनने पर खत्म कर देंगे असमानता और बेरोजगारी – राहुल गांधी

बिहार, एजेंसी। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सामने 2 दिक्कतें हैं। एक है अमीर–गरीब की असमानता और दूसरा है बेरोजगारी। कांग्रेस पार्टी इन दोनों विश्व को एक झटके से ठीक करने जा रही है। देश में गरीबों की एक सूची तैयार की जाएगी। हर एक से गरीब परिवार की महिला का नाम चयनित होगा। उन्होंने दावा किया कि 4 जून को इंडिया गठबंधन सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि 5 जुलाई को देश की करोड़ों गरीब महिलाओं के बैंक खाते में 8,500 रुपये आएंगे। इसके साथ ही राहुल ने कहा कि यह सिलसिला जुलाई से अगस्त, सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, दिसंबर और इसी तरह ठका–ठक, ठका–ठक चलता रहेगा। और जब ऐसा होगा तो मीडिया कोई सवाल उठाएगा तो हम कहेंगे कि हम ये रकम दोगुनी कर देंगे। उन्होंने कहा कि मीडिया वाले कहते हैं कि गरीबों को पैसा देने से उनकी आदत बिगड़ जाएगी। लेकिन जब अरबपतियों को पैसा

दिया जाता है तो यही मीडिया कहती है कि देखो विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने छोटे व्यापारियों को खत्म कर दिया, सिर्फ अरबपतियों का काम किया। लेकिन अब हम आपकी जेब में पैसा डालकर छोटे उद्योग–धंधों को चालू करेंगे और रोजगार के अवसर बनाएंगे। कांग्रेस की गारंटी बताते हुए राहुल ने कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत गरीब परिवार की महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपए मिलेंगे। हर शिक्षित युवा की पहली नौकरी पक्की होगी, जिसमें सालाना 1 लाख रुपए मिलेंगे। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी मिलेगी, कर्ज माफ होगा। मनरेगा में श्रमिकों को 400 रुपए दैनिक मजदूरी मिलेगी। आशा–आंगनवाड़ी वर्कर्स को दोगुने सरकारी योगदान से ज्यादा सैलरी मिलेगी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा होने पर बीजेपी को सबसे अधिक सीट मिलेंगी – फडणवीस

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति गठबंधन में शामिल सभी तीनों दल विधानसभा चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर मिलकर फैसला करेंगे, हालांकि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते भाजपा को निश्चित रूप से सबसे अधिक सीट मिलेंगी। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अलावा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। फडणवीस ने पत्रकारों से कहा, "महायुति के तीनों दलों के नेता विधानसभा चुनाव के लिए एक उचित सीट–बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के लिए बैठक करेंगे और उसी के अनुसार सीटें आवंटित की जाएंगी। जाहिर है सबसे बड़ी पार्टी होने के कारण भाजपा को सबसे ज्यादा सीट मिलेंगी। हालांकि, सीट बंटवारे में हमारे सहयोगियों को उचित सम्मान दिया जाएगा। वह राकांपा के नेता छगन भुजबल की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। भुजबल ने कहा था कि उनकी पार्टी को कुल 288 सीट में से कम से कम 80 से 90 सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। साल 2019 के विधानसभा चुनावों में, भाजपा ने 122 सीट पर चुनाव लड़ा था और 105 सीट जीती थीं, जबकि उसकी तत्कालीन सहयोगी शिवसेना 63 सीट पर लड़ी थी और 56 पर विजयी रही थी।

अग्निपथ योजना 100 फीसदी रोजगार की गारंटी देती है - मंत्री अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां रविवार को कहा कि कांग्रेस अग्निपथ योजना पर झूठा प्रचार करके देश के युवाओं को गुमराह कर रही है, जबकि यह गेम–चेंजिंग पहल है और इसके जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 100 प्रतिशत रोजगार की गारंटी देती है। अनुराग ठाकुर ने हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करते हुए कहा, हर कांग्रेस नेता उस योजना के बारे में झूठ बोलकर युवाओं को गुमराह कर रहा है जो 100 प्रतिशत रोजगार की गारंटी देती है। यह कहते हुए कि यह योजना भारत के युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होकर देश की सेवा करने का अवसर देती है, ठाकुर ने कहा कि यह सभी के लिए एक जीत की स्थिति है, क्योंकि चार साल के बाद बाहर

निकलने वाले युवाओं को न केवल सेवा निधि पैकेज मिलेगा, बल्कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में विभिन्न पदों पर नौकरियां भी मिलेंगी। उन्होंने कहा, भाजपा शासित सभी राज्य सरकारों ने इन युवा साथियों के लिए राज्य पुलिस में 10–20 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। केंद्र सरकार के अर्धसैनिक बलों में भी आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इतना ही नहीं, उन्हें चयन में कई रियायतें दी गई हैं।

बिहारी धमकियों से नहीं डरता, डटकर मुकाबला करना जानता है – तेजस्वी

बिहार, एजेसी। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने काराकाट में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इंडिया गठबंधन के पक्ष में लोगों से मतदान की अपील की और पीएम मोदी पर बिहार से सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। बिक्रमगंज स्थित इंटर स्तरीय कॉलेज मैदान में सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि धमकियों से बिहारी नहीं डरता, वह डटकर मुकाबला करना जानता है। काराकाट लोकसभा सीट से महागठबंधन के माले प्रत्याशी राजाराम सिंह के पक्ष में वोट मांगते हुए उन्होंने कहा कि यह बिहार के अस्मिता की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के लोगों के साथ हमेशा ही सौतेला व्यवहार किया है। बिहार के हित में जब–जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजद के साथ हुए हैं, तब–तब भाजपा ने उन्हें भ्रमित करने का काम किया है। रोजगार, स्वास्थ्य, सड़क, कृषि एवं हवाई अड्डे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर बिहार के साथ एनडीए की सरकार ने भेदभाव किया है। बिहार के उप मुख्यमंत्री रहने के दौरान राज्य के युवाओं के लिए विभिन्न विभागों में सृजित रोजगार, अस्पतालों की सुदृढ़ व्यवस्था एवं शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत परिवर्तन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में संपन्नता के लिए महागठबंधन को मजबूत करें। माले प्रत्याशी राजाराम सिंह की जीत सुनिश्चित करें।

संपादकीय

भारतीय सिनेमा के इतिहास

3 प्रतिशत से भी कम भारतीय मलयालम बोलते हैं। लेकिन इस साल फ्रेंच रिवेरा में 77वें कान्स अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भाग लेने वाले कई लोगों को मलयालम भारत की सामान्य भाषा लगती होगी। पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट, फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म है, जो ज्यादातर मलयालम में बोली जाती है। गीतात्मक और नाजुक होने के कारण प्रशंसित यह फिल्म मुंबई में केरल की दो युवा नर्सों के जीवन और सपनों के बारे में है। यह भारत की पहली फिल्म है जिसे तीन दशकों के बाद प्रतिष्ठित पाल्मे डी ओर समारोह में प्रतिस्पर्धा के लिए चुना गया है। शीर्ष पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करने वाली आखिरी भारतीय फिल्म मलयालम में स्वाहम थी, जिसे 1994 में शाजी एन. करुण ने बनाया था। इस साल कान्स में मलयाली लोगों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, जब जाने–माने सिनेमेटोग्राफर संतोष सिवन पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बन गए। आधुनिक जूम लेंस के फ्रांसीसी आविष्कारक के नाम पर सिनेमैटोग्राफी में पियरे एंजनीक्स एक्सेलेंस पुरस्कार स्थापित किया गया। पैलैस डी फेस्टिवल में सम्मान प्राप्त करते हुए, सिवन ने अपनी हर उपलब्धि के लिए केरल और मलयालम सिनेमा को धन्यवाद दिया। ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट की नायिकाएं कानी कुसरुति और दिव्या प्रभा और सिवन मलयालम फिल्म उद्योग को उस समय और खुशियां देते हैं जब यह सपनों की उड़ान पर है। हाल तक दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे छोटा, मलयालम सिनेमा इस साल के पहले चार महीनों में हिंदी और तेलुगु फिल्मों के बाद देश में सबसे ज्यादा कमाई करने वाला सिनेमा बनकर उभरा है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकिंग साइट ऑरमैक्स मीडिया का कहना है कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में पहली बार मलयालम फिल्मों ने फरवरी और मार्च में मासिक सकल राजस्व के मामले में देश में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हालाँकि भारत के कला फिल्म सर्किट में मलयालम सिनेमा की एक लंबी और शानदार परंपरा रही है, लेकिन ऐसी आवर्ती व्यावसायिक सफलता अभूतपूर्व रही है। तमिल फिल्मों के विपरीत, हाल तक केरल के बाहर अनिवासी मलयाली समुदायों को छोड़कर मलयालम फिल्मों का कोई बाजार नहीं था। लेकिन मलयालम हिट्स का मौजूदा समूह अन्य राज्यों और विदेशों से कमाई कर रहा है। इस साल रिलीज हुई पांच मलयालम फिल्में मई तक 100 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो गईं। मंजुम्मेल बॉयज (117 करोड़ रुपये) और आवेशम (101 करोड़ रुपये) क्रमशः फरवरी और अप्रैल में सभी भाषाओं में मासिक सकल घरेलू बॉक्स संग्रह में शीर्ष पर रहे। प्रेमलु (67.5 करोड़ रुपये) और ब्रमायुगम (25 करोड़ रुपये) फरवरी के शीर्ष पांच में थे। मार्च में आदुजीविथमरू द गोट लाइफ (102 करोड़ रुपये) तीसरे स्थान पर रही, जबकि जनवरी में अब्राहम ओजलर (23 करोड़ रुपये) और मलाइकोट्टई वालिबन (15 करोड़ रुपये) शीर्ष दस में शामिल हुए। मई में रिलीज हुई दो फिल्में भी टॉप पर हैं। वेबसाइट के अनुसार, भारतीय सिनेमा के सकल संग्रह में मलयालम सिनेमा की हिस्सेदारी 2023 में 5: से बढ़कर जनवरी–मार्च 2024 के दौरान 16: हो गई, जो हिंदी (36:) और तेलुगु (23:) के बाद तीसरे स्थान पर रही। एक अन्य फिल्म संग्रह ट्रैकिंग साइट, सैकनिलक से पता चलता है कि ये मलयालम फिल्में जनवरी से अप्रैल तक हर महीने शीर्ष पांच सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल हैं। यह तब है जब अप्रैल आम तौर पर भारतीय सिनेमा के लिए कम स्कोर वाला महीना रहा क्योंकि इसका कुल सकल संग्रह मार्च में 996 करोड़ रुपये से घटकर 457 करोड़ रुपये हो गया। यह साल का पहला महीना था जब भारतीय फिल्मों का सकल संग्रह 500 करोड़ रुपये से नीचे चला गया। इससे भी अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि मौजूदा उछाल ने एक तेज और आश्चर्यजनक बदलाव को चिह्नित किया है। वर्ष, 2023, मलयालम सिनेमा के लिए विशेष रूप से बुरा था क्योंकि रिलीज हुई रिकॉर्ड 220 फिल्मों में से 200 से अधिक फ्लॉप हो गईं, जिससे 350 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केरल फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अनुसार, पिछले साल केवल 16 फिल्मों ने लागत वसूल की थी। 2022 में भी कहानी अलग नहीं थी, जब 176 में से 90: फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। हालाँकि, 2024 के पहले चार महीनों के भीतर, छह मलयालम फिल्मों ने पहले ही लगभग 1,000 करोड़ रुपये का कुल राजस्व अर्जित कर लिया है, जो 2023 की 220 फिल्मों के संचयी संग्रह से कहीं अधिक है। हिट परेड का नेतृत्व कर रहे हैं मंजुम्मेल बॉयज, जो नवोदित, चिदंबरम एस. पोडुवल द्वारा बनाई गई एक सर्वाइवल थ्रिलर है, जिसमें काफी हद तक नए कलाकार हैं और 20 करोड़ रुपये का बजट है। फरवरी में रिलीज हुई, यह दुनिया भर में 200 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली पहली मलयालम फिल्म थी। मंजुम्मेल बॉयज मलयालम सिनेमा में अकेले तमिलनाडु से 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वाली पहली फिल्म है – यहां तक कि डबिंग के बिना भी – शायद इसकी वजह कमल हासन अभिनीत 1991 की तमिल फिल्म गुना को श्रद्धांजलि है। तो मलयालम सिनेमा में इस नए वसंत की क्या व्याख्या है? युवा निर्देशक, उपन्यास कथानक, गैर–रूढ़िवादी चरित्र, औपचारिक प्रयोग, भावनाओं पर जोर, शानदार प्रदर्शन और उच्च उत्पादन और तकनीकी गुणवत्ता प्रमुख हैं। हालाँकि ऐसी विशेषताओं के साथ मलयालम का नया–जीन सिनेमा 2010 के दशक तक उभरा था, वे महामारी के दौरान केवल ओटीटी प्लेटफार्मों के माध्यम से केरल के बाहर नोटिस जीत सके।

किसकी बनेगी सरकार, किसको खारिज करेगी देश की जनता?

आर.के.

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान का छठा चरण 25 मई को संपन्न होने के साथ ही देश के राजनीतिक विश्लेषक, आमजन, चौक–चौराहों के चौपाल विशेषज्ञ, छोटे – बड़े ज्योतिषि वगैरह, सभी अपने–अपने तरीके से चुनाव नतीजों को लेकर अपना निष्कर्ष देने लगे हैं। अब तो सिर्फ एक चरण का मतदान ही शेष हैं। आगामी 1 जून को अंतिम चरण का मतदान समाप्त होने के बाद, देश को 4 जून की दोपहर तक ही पता चल जाएगा कि भारत का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, कौन सी राजनीतिक पार्टी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी

और एनडीए को या इंडिया ब्लॉक को अधिक सीटें मिल रही हैं। हालांकि अभी तक अधिकतर जानकारों का यह दावा है कि देश में फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही एनडीए गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। प्रख्यात पॉलिटिकल कमेंटेटर और डेटा साइंटिस्ट सुरजीत भल्ला कह रहे हैं कि भारत के लोगों बीते दस सालों के दौरान जो तरक्कधि देश में देखी है इतनी तरक्की सत्तर साल में नहीं देखी। भाजपा को इस चुनाव में कुल 42 से 45 प्रतिशत तक वोट मिल सकते हैं। ज्यादा भी मिल जायें तो कोई आश्चर्य नहीं ? जाहिर है, अगर भाजपा और उसके मित्र दलों को इतने फीसद वोट मिले तो सरकार तो उनकी ही बनेगी। अब बात कर ले अपने को महान राजनीतिक चिंतक बताने वाले योगेन्द्र यादव की। वे राहुल गांधी की एक पदयात्रा में भी शामिल हुए थे। डॉ. लोहिया के विचारों को मानने वाले योगेन्द्र यादव के मुताबिक, इन चुनावों में भाजपा को 240–260 और एनडीए के साथी दलों को 35–45 सीटें मिल सकती हैं। मतलब भाजपा ६ एनडीए को 275 से 305 के बीच सीटें मिलने जा रही हैं। देश में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए और जारी लोकसभा चुनाव में भाजपा ६ एनडीए की 303ध्323 सीटें हैं। यह तो राहुल समर्थक योगेन्द्र जी की भविष्यवाणी है ।हालांकि, मेरा मत है कि एनडीए गठबंधन को योगेन्द्र यादव के दावे से कहीं अधिक सीटें मिल रही हैं। मैं भी 1967 से लेकर अबतक के सभी चुनावों को करीब से देखता रहा हूँ और अपने अनुभव के आधार पर यह कह रहा हूँ कि इसबार भाजपा और सहयोगी दलों का प्रदर्शन अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाला होगा । मैंने लोकसभा चुनाव की कैंपेन के दौरान सारे देश भर की खाक छानी है। आम जनता से बातें की और उनका मन टटोला। उसके बाद मैं या मानता हूं कि एनडीए को हर हालात में 350 से अधिक ही सीटें मिलेंगी। इस बीच, मुंबई के जाने–माने ज्योतिषी, स्तंभकार और लेखक पंडित जे.पी.त्रिखा पिछले कम से कम दो लोकसभा चुनावों की सटीक भविष्यवाणी कर चुके हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में एनडीए की सफलता की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने ज्योतिष विद्या के आध ार पर 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों पर भी गहन शोध के बाद अपनी भविष्यवाणी कर दी है। पंडित त्रिखा कहते हैं, ष्मेरा ज्योतिष अध्ययन स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी बनने जा रही जा रही है। इस मामले पर कोई बहस नहीं होनी चाहिए। इसलिए, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू श्री मोदी को 4 जून के बाद सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करेंगी। पंडित त्रिखा के अनुसार, ष्श्री नरेंद्र मोदी की चंद्र राशि वृश्चिक है। उनका जन्म 17 सितंबर, 1950 को हुआ था। वे मंगल ग्रह से शासित हैं। वृश्चिक राशि वाले बहुत बुद्धिमान और चतुर होते हैं और उनमें नेतृत्व करने के गुण होते हैं। वे जन्मजात नेता होते हैं। मोदी जी ने इसे बार–बार साबित किया है।ष दिलचस्प बात यह है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी वृश्चिक राशि के हैं। वृश्चिक राशि के नेताओं को अक्सर उनके दृढ़ संकल्प के लिए जाना जाता है। वे अपने मुखर और रणनीतिक नेतृत्व शैली के लिए भी जाने जाते हैं।वृश्चिक राशि वाले जुनूनी, दृढ़संकल्प से भरे और संकट में भी जुझारू रूप से मैदान में डटे रहते हैं। वृश्चिक राशि वाले संकटों को संभालने और चुनौतियों को पार करने में अच्छे होते हैं। इस बीच, चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर कांग्रेस को लेकर दावा कर रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी तीन अंकों के आंकड़े तक नहीं पहुंचेगी। इसके साथ ही, वे इस बात पर भी जोर दे रहे हैं कि भाजपा इस बार 2019 के आम चुनावों में प्राप्त अपनी सीटें दोहराने जा रही है या उससे भी आगे निकल सकती है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें भाजपा की तरफ से कितनी सीटें जीतने की उम्मीद है, तो प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरे पास जो भी अवलोकन और अनुभव है, उसके आधार मुझे नहीं लगता कि भाजपा की संख्या 2019 में जहां थी, वहां से कम हो जाएगी। वे दावा कर रहे हैं कि 2019 में भाजपा के पास जो संख्या थी, कमोबेश वही संख्या मुझे दोहराती हुई दिख रही है या शायद यह और भी बेहतर हो जाएगी। हालांकि उनके दावों पर बहुत बवाल भी मचा हुआ है। उनकी राय से इत्तेफाक न रखने वाले उन पर तमाम तरह के आरोप भी लगा रहे हैं। पर, सुरजीत भल्ला या योगेन्द्र यादव के दावों पर कोई कुछ नहीं कर रहा। यानी कमोबेश देश को पता चल चुका हैकि देश में अगली सरकार किसकी बनेगी। वैसे , मैं भी ज्योतिषियों पर विश्वास करता हूँ। पर मेरा विश्वास प्रोफेशनल ज्योतिषियों पर थोड़ा कम और शौकध्या ज्योतिषियों पर कुछ ज्यादा है , क्योंकि य ज्योतिष उनकी रोजी – रोटी का साधन नहीं , उनकी व्यक्तिगत साधना है जो निश्वार्थ है । ऐसी ही एक ज्योतिषी महिला का कल रात फोन आया और उन्होंने कहा ," अंकल जी , इस बार मोदी जी 400 से ज्यादा सीटें ला रहे हैं।" मैंने पूछा कि तुम्हारी इस भविष्यवाणी का आधार क्या है ? उन्होंने बताया कि मैंने 1984 में राजीव गाँधी की जो ग्रहदशा चल रही थी उसका गंभीरता से सूक्ष्म विश्लेषण किया है। मोदी जी की वैसी ही ग्रहदशा चल रही है और मोदी जी की ग्रहदशा 1984 के राजीव गाँधी की ग्रहदशा से कहीं ज्यादा मजबूत है। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था , जब उन्होंने दावा किया था कि मोदी जी 75 वर्ष की आयु तक पहुँचने पर प्रधानमंत्री पद छोड़ देंगे। मतलब उन्होंने पूरी तरह यह मान लिया था , उनका गठबंधन हार रहा है। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कर दिया है कि मोदी जी 2029 के बाद भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे। पंडित त्रिखा भी कुछ इसी तरह का दावा करते हैं कि मोदी जी 2029 तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे। बहरहाल, अभी लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण होना शेष है। इतनी भयंकर गर्मी में मतदान करने के लिए घर से निकलना और मतदान केन्द्रों पर खड़ा होना सच में हिम्मत की बात है। चुनाव आयोग को सरकार और सियासी दलों से मिलकर यह तय करना चाहिए कि आगामी लोकसभा चुनाव मार्च के महीने तक सम्पन्न हो जाएं। आजकल देश के बड़े भाग में सूरज देवता आग उगल रहे हैं। पारा 45 डिग्री तक पहुंच रहा है। इन हालातों में मतदान के बढ़ने की उम्मीद करना बेमानी ही होगी। एक बात और! मतदान की तारीख वीकेंड पर न रखी जाए। वीकेंड पर मतदान होने से बहुत सारे लोग बच्चों को लेकर घूमने के लिए निकल जाते हैं। इसलिए मतदान सप्ताह के बीच में रखा जा सकता है। इसी प्रकार पर्व त्योहारों के दिन भी मतदान नहीं होना चाहिये। हां, बिना किसी ठोस कारण के मतदान न करने वालों पर उचित दंड या पाँच वर्षों तक सरकारी सुविधाओं से वंचित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

अग्निकांड़ों ने हर भारतीय का दिल जख्मी किया

ललित

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने से सात नवजात बच्चों की जान चली गयी। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे प्रशासनिक लापरवाही की उपज हैं, यही कारण है कि सिस्टम में खामियों और ऐसी आपदाओं को रोकने में सरकारी अधिकारियों की लापरवाही की निंदा की जा रही है। यह याद रखने योग्य है कि नियमित अंतराल पर मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू की अनदेखी से ऐसी गंभीर घटनाएं होने के बावजूद अधिकारियों की उदासीनता और लापरवाही कम होती नहीं दिख रही है। इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। 'अग्निकांड' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। जीवन का हर पल दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना हो या सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना–हर स्थिति में मनुष्य जीवन के अस्तित्व एवं अस्मिता पर सन्नाटा पसर रहा है। इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन ६ ाड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकट लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। ठीक इसी तरह दिल्ली के बेबी केयर सेंटर की आग की घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। एनआईसीयू में वेंटिलेटर पर ही 7 नवजात ने दम तोड़ दिया। आग की लपटें इतनी तेज थी कि बच्चों को पीछे के रास्ते से बड़ी मुश्किल से निकाला गया। 5 बेड की क्षमता वाले हॉस्पिटल में 12 बच्चों का इलाज हो रहा था। जाहिर है, एक बेड पर दो या तीन बच्चे थे। आग लगने, हॉस्पिटल के मिस मैनेजमेंट और लापरवाही का क्या स्थानीय प्रशासन को अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं? प्रश्न है कि इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। इन दोनों अग्निकांड़ों में पीड़ितजन तो सहानुभूति के पात्र हैं ही, पर इन घटनाओं के लिए सहानुभूति की पात्र देश की जनता भी है, जो भ्रष्ट, लापरवाह एवं लालची प्रशासनिक चरित्रों को झेल रही है। मनुष्य अपने स्वार्थ और रुपए के लिए इस सीमा तक बेईमान और बदमाश हो जाता है कि हजारों के जीवन और सुरक्षा से खेलता है। दो–चार परिवारों की सुख समृद्धि के लिए अनेक घर–परिवार उजाड़ देता है। राजकोट हो या राजधानी में प्राइवेट संस्थानों में आग लगना–बेकसूर लोगों के मारे जाने की घटनाएं कोई नई या चौंकाने वाली बात नहीं है। कभी कोई फैक्ट्री इस वजह से सुर्खियों में आती है तो कभी कोचिंग संस्थान। कभी कोई अस्पताल तो कभी एम्यूजमेंट पार्क। घटना के बाद पता चलता है कि वे संस्थान तमाम कानूनी प्रक्रियाओं को ताक पर रखते हुए चलाए जा रहे थे। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक एवं ज्वलंत सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। आसमान से बरसती आग के बीच शनिवार को हुए इन दोनों अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलत ऐसे हादसे होते हैं जिनमें भ्रष्टाचार पसरा होता है, जब अफसरशाह लापरवाही करते हैं, जब स्वार्थ एवं धनलोलुपता में मूल्य बौने हो जाते हैं और नियमों और कायदे–कानूनों का उल्लंघन होता है। आग क्यों और कैसे लगी, यह तो जांच का विषय है ही लेकिन इन व्यावसायिक इकाइयों को उसके मालिकों ने मौत का कुआं बना रखा था। आखिर क्या वजह है कि जहां दुर्घटनाओं की ज्यादा संभावनाएं होती हैं, वही सारी व्यवस्थाएं फेल दिखाई देती हैं? सारे कानून कायदों का वहीं पर स्याह हनन होता है। हर दुर्घटना में गलती भ्रष्ट आदमी यानी अधिकारी एवं व्यवसायी की ही होती है पर कारण बना दिया जाता हैं पुर्जों व उपकरणों की खराबी को। जैसे–जैसे जीवन तेज होता जा रहा है, सुरक्षा उतनी ही कम हो रही है, जैसे–जैसे प्रशासनिक सर्तकता की बात सुनाई देती है, वैसे–वैसे प्रशासनिक कोताही के सबूत सामने आते हैं, मरने वालों की संख्या बढ़ रही है।

डिजिटल अति उपभोग की लागत

आदित्य

हाल ही में अपने फोन के स्टोरेज की जांच करते समय, मुझे एहसास हुआ कि मेरे पास विभिन्न कोनों में लगभग 20,000 से अधिक तस्वीरें और क्लिप छिपी हुई हैं। उनमें से अधिकांश व्हाट्सएप फॉरवर्ड थे। मैं कभी–कभी अव्यवस्था को टाल देता हूं, ज्यादातर तब जब मुझे जगह खाली करने के लिए कहा जाता है। इसने मुझे यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि पिछले कुछ समय में मैंने कितनी तस्वीरें और क्लिप देखी हैं। पिछले दशक में सोशल मीडिया का उदय और डिजिटल छवियों को साझा करने में आसानी अभूतपूर्व रही है। एक हालिया विश्लेषण से पता चला है कि दुनिया भर में लगभग 5 बिलियन सोशल मीडिया उपयोगकर्ता हैं। यह वृद्धि दृश्य मीडिया में विस्फोट से अटूट रूप से जुड़ी हुई है, जिसमें लघु वीडियो प्रारूप बेहद लोकप्रिय है। इंस्टाग्राम सबसे अधिक मांग वाले प्लेटफार्मों में से एक है, जिसके उपयोगकर्ताओं की संख्या में भारत अग्रणी है। 2023 तक, भारत में लगभग 75 प्रतिशत इंटरनेट उपयोगकर्ता इंस्टाग्राम पर थे, उनमें से कई जेन जेड से थे। सामग्री निर्माण में आसानी, ग्राहकों और अनुयायियों की उपलब्धता, और मुद्रीकरण और श्उपहारश प्राप्त करने की संभावना एक खरगोश के नीचे जाने की तरह है वह स्थान जहाँ हर किसी के लिए कुछ न कुछ हो। कहा जाता है कि एक तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर होती है। इस क्षमता का उपयोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा किया जा रहा है। सतही तौर पर, यह एक जीत–जीत की स्थिति की तरह लगता है। ऑनबोर्डिंग या सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए कोई स्पष्ट लागत नहीं है। मर्मज्ञ विपणन और वैयक्तिकृत विज्ञापनों से मंच को लाभ होता है। उपयोगकर्ता को एक प्रभावशाली व्यक्ति बनने, मनोरंजन और सूचित रहने या पैसा कमाने के लिए एक साबुन का डिब्बा मिलता है। छवियाँ सहभागिता में वृद्धि को बढ़ावा देती हैं। फोटो और वीडियो बहुत अच्छे से काम करते हैं क्योंकि वे भाषा की बाधाओं को पार कर जाते हैं। शोधकर्ता एआई टूल पर भी काम कर रहे हैं जो टेक्स्ट प्रॉम्प्ट से सिंथेटिक छवियां उत्पन्न करेगा। दृश्य धारणा मस्तिष्क का प्राथमिक कार्य और अनुभूति का एक महत्वपूर्ण घटक है। किसी वाक्य को पढ़ने की तुलना में दृश्य प्रसंस्करण भी तेज है। इस प्रकार उपयोगकर्ता ध्यान की अर्थव्यवस्था में अनिवार्य रूप से आकर्षित होते हैं, जो ध्यान भटकाने की क्षमता का उपयोग करता है। ध्यान दें सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए भेजी जाने वाली मुद्रा। मानव ध्यान एक अमूल्य संसाधन है। सोशल मीडिया पर सामग्री ध्यान आकर्षित करती है और ध्यान भटकाती है, और हम अंततः बर्बाद हो जाते हैं।

एक प्रधानमंत्री के चुनावी भाषण, समझ और संवेदनशीलता

रतन

मुझे लगता है कि हर कोई – यहां तक कि उनके सबसे कट्टर आलोचकों में से भी – यह स्वीकार करेगा कि प्रधान मंत्री (पीएम) नरेंद्र मोदी एक उत्कृष्ट वक्ता हैं। अक्सर स्थानीय स्वाद से समृद्ध शब्द, वाक्यांश, उपयुक्त उद्धरण, विचारोत्तेजक शब्दावली एक उपहार है जिसके साथ वह पैदा हुआ है। कुछ लोग कहते हैं कि वह टेलीप्रॉम्प्टर का उपयोग करते हैं, लेकिन अगर वह कुछ अवसरों के लिए ऐसा करते भी हैं, तो एक दिन में वह जितने भाषण देते हैं, वह इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि एक वक्ता के रूप में उनकी प्रतिभा टेलीप्रॉम्प्टर की सहायता से भी आगे है। ।कअमतजपेमउमदज इससे पहले, भाजपा में स्टार वक्ता, जो हास्य, व्यंग्य, तथ्य, कविता और वाक्यांश के उपयोग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर सकते थे, अटल बिहारी वाजपेयी थे। मुझे याद है कि जब वह 2002 में प्रधानमंत्री के रूप में साइप्रस आए थे, जहां मैं उच्चायुक्त था, तो उनका पहला कार्यक्रम भारतीय प्रवासियों के लिए एक भाषण था, जिसमें आईटी क्षेत्र के हजारों युवा पेशेवर शामिल थे। वाजपेयी का स्वास्थ्य बहुत खराब था। प्रध ानमंत्री के विमान से नीचे आने के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट का इस्तेमाल करना पड़ा, क्योंकि उनके घुटने परेशानी दे रहे थे. जब हम उनके सुइट में पहुँचे तो मैंने उन्हें याद दिलाया कि होटल के कन्वेंशन हॉल में प्रवासी भारतीय उनका इंतजार कर रहे थे। मुझे अभी भी याद है उसने मुझसे पूछा थारू "क्या मुझे कुछ बोलना भी पड़ेगा? क्या मुझसे उन्हें संबोधित करने की उम्मीद की जाएगी?" मैंने जवाब दिया कि वे इसके लिए घंटों से इंतजार कर रहे थे। वह स्पष्ट रूप से थके हुए थे, लेकिन जैसे ही हम कार्यक्रम स्थल के पास पहुंचे, हमें अटल बिहारी जिंदाबाद के जोशीले नारे सुनाई दिए और अटलजी उत्साहित नजर आए। उनका जोरदार स्वागत हुआ और फिर, अपनी थकान के बावजूद, उन्होंने 40 मिनट तक भाषण दिया, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए और कई बार हंसी के ठहाके भी लगे। यह काफी उपलब्धि थी. नरेंद्र मोदी में वाक् शक्ति, भाषण की शक्ति के समान गुण हैं। यही कारण है कि मुझे आश्चर्य है कि अपने प्रधान मंत्री रहने के 10 वर्षों में उन्होंने कभी भी एक खुली प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं की, जहां प्रश्न पहले से उपलब्ध नहीं कराए गए हों, या वार्ताकार उनकी मीडिया टीम द्वारा चुना गया कोई व्यक्ति नहीं है . यह एक पारदर्शी रूप से कोरियोग्राफ की गई बातचीत प्रतीत होती है, जो लोकतंत्र में सामान्य और सहज मीडिया के सवालों से बहुत अलग है। मैंने प्रधानमंत्री के अधिकांश साक्षात्कार प्रिंट और टीवी दोनों में देखे हैं। वह अच्छा बोलता है, लेकिन जो लोग उसका साक्षात्कार ले रहे हैं, वे बहुत अधिक सम्मानजनक हैं, हालांकि ऐसा प्रतीत हो सकता है कि वे ष्कठिनष प्रश्न पूछ रहे हैं। पूर्व–चयनित एंकरों के साथ इस तरह के मंचीय साक्षात्कारों में क्या होता है, प्रधानमंत्री को कमोबेश यह आश्वासन दिया जाता है कि कोई भी असहज या कटु स्थिति उत्पन्न नहीं होगी, और निश्चित रूप से कोई शत्रुतापूर्ण प्रश्न नहीं पूछा जाएगा। सच कहूं तो मेरा मानना है कि यह पीएम की छवि के लिए हानिकारक है। उन्हें सार्वजनिक और वास्तविक लोकतांत्रिक पूछताछ के लिए कहीं अधिक खुला होना चाहिए। एक एकालाप, जहां केवल वह बात कर रहा है, या चुने हुए पूछताछकर्ताओं के साथ बातचीत उसकी विश्वसनीयता को कम कर देती है। हमारे देश के सभी पिछले प्रधानमंत्रियों – अन्य लोकतंत्रों के कार्यकारी प्रमुखों की तरह – ने खुली मीडिया बहसों में अपने आलोचकों का सामना किया है। दरअसल, अटलजी ने एक बार एक बेहद लोकप्रिय पत्रकार को उनसे कठिन सवाल न पूछने के लिए डांट लगाई थी। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्र और निर्भीक प्रेस के आवश्यक सिद्धांत का उल्लंघन है। समान रूप से, श्री मोदी के हाल के कुछ सार्वजनिक भाषणों ने दुर्भाग्य से एक राजनेता की उस छवि का अपमान किया है जिसे वह संजोते हैं। निराध ार आरोपों, व्यक्तिगत हमलों, बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक बयानों, यहां तक कि कभी–कभी चौंकाने वाली असंगत टिप्पणियों ने उन्हें और पीएम के पद को कलंकित किया है। यहां उनके कथनों के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। 21 अप्रैल को, उन्होंने राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा, कि कांग्रेस ने ष्घुसपैठियोंष और ष्जिनके पास अधिक बच्चे हैंष को धन जब्त करने और पुनर्वितरित करने की योजना बनाई है। यह स्पष्ट रूप से मुसलमानों का संदर्भ था। भारतीय नागरिकों के एक बड़े वर्ग को ष्घुसपैठिएष कहना न केवल निंदनीय था, बल्कि आदर्श आचार संहिता का सीधा उल्लंघन भी था, जो स्पष्ट रूप से ऐसे किसी भी बयान पर रोक लगाता है जो ष्मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकता है या आपसी नफरत पैदा कर सकता है या विभिन्न जातियों के बीच तनाव पैदा कर सकता है।ष , समुदाय, ध ार्मिक या भाषाईष। इसके अगले ही दिन यूपी के अलीगढ़ में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, श्मैं अपने देशवासियों को आगाह करना चाहता हूं, कांग्रेस और भारत गठबंधन की नजर आपकी कमाई और संपत्ति पर है... हमारी माताओं और बहनों के पास सोना है। यह स्त्रीधन है, इसे पवित्र माना जाता हैय कानून भी इसकी रक्षा करता है. अब इन लोगों की नजर महिलाओं के मंगलसूत्र पर है. उनका इरादा माताओं–बहनों का सोना चुराने का है।" 23 अप्रैल को, राजस्थान के टोंक–सवाई माधोपुर में एक सार्वजनिक बैठक में, उन्होंने दावा किया कि ष्यदि आपके घर में एक बक्सा है जिसमें आप बाजरा अनाज रखते हैं तो उसका एक्स–रे (कांग्रेस द्वारा) किया जाएगा। यदि आपके पास दो घर हैं, और वे इसे अपने एक्स–रे में देखते हैं, तो सरकार द्वारा एक घर ले लिया जाएगा।" मेरी राय में, यह एक झूठ है – क्योंकि कांग्रेस के घोषणापत्र में इस तरह का कुछ भी नहीं कहा गया है – और अशोभनीय व्यंग्य है।

8 मई को, तेलंगाना में एक रैली में, पीएम ने कहा "जब से चुनाव की घोषणा हुई है, इन लोगों (कांग्रेस) ने अंबानी और अडानी को गाली देना बंद कर दिया है। मैं पूछना चाहता हूं...अंबानी–अडानी से कितना उठाया? क्या कांग्रेस के पास इतने सारे नोट पहुंच गए हैं?" ऐसा कथन यह चौंकाने वाला है, क्योंकि यह झूठ है – राहुल गांधी ने अंबानी–अदानी जोड़ी के खिलाफ अपनी आलोचना जारी रखी है – और इसलिए भी क्योंकि प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया है।

जौनपुर जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में मतगणना की तैयारी के संबंध में बैठक मीटिंग हाल में संपन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतगणना 04 जून को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मूल्यांकन भवन में की जाएगी। उन्होंने इसके सम्बन्ध में सभी प्रकार की तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जिला विकास अधिकारी वी0के0 यादव, परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी और बीएसए डॉ0 गोरखनाथ पटेल को निर्देशित किया कि कार्मिकों की नियुक्ति उनके डेप्लॉयमेंट और प्रशिक्षण कार्य को समय से गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण किया जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना को सकुशल, शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराए जाने हेतु सभी एआरओ को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए, इसके साथ ही मतगणना में लगे वीआरसी को भी उनके दायित्व के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

शहीद उप निरीक्षक महेन्द्र यादव को मरणोपरांत मिला राष्ट्रपति पुलिस पदक

सुल्तानपुर। पाक फौज से मोर्चा लेने वाले सीमा सुरक्षा बल के उप निरीक्षक महेन्द्र यादव को मरणोपरांत मिला राष्ट्रपति का पुलिस पदक।आठ वर्ष पूर्व जिले के सीमा सुरक्षा बल 156 बटालियन के शहीद महेन्द्र यादव के परिजनों को सीमा सुरक्षा बल के वार्षिक अलंकरण समारोह में अदम्य साहस व वीरता के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है।नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शहीद की मां मर्यादी देवी को राष्ट्रपति के पुलिस पदक से अलंकृत किया गया।

उप निरीक्षक महेंद्र यादव की त्वरित कार्रवाई,गंभीर खतरे के सामने उच्चतम स्तर की व्यावसायिकता और साहस के लिए उन्हें ष्वीरता के लिए पुलिस पदकष (मरणोपरांत) प्रदान किया गया।

भीषण गर्मी में जिला चिकित्सालय के दो वार्डों में दो घण्टे से गुल रही बिजली

अयोध्या। एक ओर तेज धूप व गर्मी के चलते डायरिया व हीट स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी व प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के साथ साथ अन्य चिकित्सकों को छोड़िए खुद जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने लोगों को धूप से बचने के लिए अपील कर रहे हैं। परन्तु इसका असर जिला पुरुष चिकित्सालय में नहीं दिखाई दे रहा है।इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस समय प्रचंड धूप व गर्मी में दो घण्टे से अधिक जिला पुरुष चिकित्सालय के महिला व बगल में सर्जिकल वार्ड में बिजली गायब रही। जिसके चलते उस वार्ड में अंधेरा दिखाई दे रहा था। सर्जिकल वार्ड में इतना अंधेरा रहा कि कैमरे में फोटो तक सही नहीं आ रहा था। बिजली कटौती के चलते पंखे कूलर आदि बंद हो गये थे। जिसके चलते वहां पर भर्ती मरीज व उनके तीमारदार इस भीषण गर्मी में पसीने से लथपथ दिखाई दे रहे थे। सबसे अधिक खराब स्थिति सर्जिकल वार्ड की दिखाई दे रही थी। जहां पर अधिकतर ऐसे मरीज भर्ती हुये थे,जिनका आपरेशन हुआ था। जो इस भीषण गर्मी में पंखे व कूलर के न चलने के चलते मरीज पसीने से लथपथ दिखाई दे रहे हैं।जिसके चलते वहां पर भर्ती मरीजों व उनके तीमारदार इस लापरवाही के जिम्मेदार प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ उत्तम कुमार व अन्य चिकित्सकों व कर्मियों को मानते हुए बताया कि मंगलवार को दोपहर बिजली दोपहर ग्यारह बजे से बिजली कटौती हुई परंतु दो घंटे बीत जाने के बाद भी बिजली आपूर्ति नहीं हो सकी है। जिसके चलते सबसे अधिक परेशानी पंखों व कूलरों के न चलने से हो रही है।

क्योंकि इस भीषण गर्मी में हम सभी को बिना पंखे, कूलर के रहना पड़ रहा है।वहीं बिजली कटौती के चलते इन वार्डों में अंधेरा है।परंतु इस गंभीर समस्या पर प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ उत्तम कुमार के अलावा कर्मी कोई ध्यान नहीं दे रहे है। इस संबंध में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक जिला पुरुष चिकित्सालय डॉ उत्तम कुमार ने बताया कि इस समस्या के बारे में संबंधित वार्डों में तैनात कर्मियों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि कुछ तकनीकी खराबी है जिसे ठीक कराया गया है। वहीं वार्ड में तैनात चिकित्सक व कर्मियों ने बताया कि यह समस्या बिजली कटौती के चलते बनी हुई है।

नैक से उत्कृष्ट ग्रेडिंग पाने का लीजिए संकल्प

डा0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में संबद्ध संस्थानों को नैक एक्रीडिटेशन के मार्गदर्शन के लिए नैक संकल्प कार्यशाला का किया गया आयोजन, राज्यपाल सहकुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सोमवार को संबद्ध संस्थानों में नैक एक्रीडिटेशन के मार्गदर्शन के लिए नैक संकल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम में लखनऊ बांदा झांसी कानपुर देहात, कानपुर नगर उन्नाव कन्नौज मैनपुरी बाराबंकी बरेली रायबरेली सीतापुर शाहजहां के 193 संस्थाओं के निदेशक, आईक्यूएसी के समन्वयकों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल सहकुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि प्रदेश में नैक मूल्यांकन को लेकर एक माहौल विकसित हुआ है। विश्वविद्यालय नैक में उत्कृष्ट ग्रेडिंग पा रहे हैं। यह परिणाम काफी प्रयास और परिश्रम के बाद मिलना शुरू हुआ है। अब संबद्ध संस्थानों को भी नैक से अच्छी ग्रेडिंग पाने के लिए तैयारी करने की जरूरत है। ऐसे में यह कार्यशाला विश्वविद्यालय की एक अच्छी पहल है। नैक में ग्रेडिंग पाने के लिए सबसे पहले कुछ करने का संकल्प लेना होगा। यह संकल्प ही कार्यसिद्धी में सहायक बनेगा। इस दिशा में बढ़ते हुए सबको अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। कहा कि संस्थान में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का फोटोग्राफ होना चाहिए। साथ ही उस पर पूरी जानकारी देते हुए कैप्शन भी लिखा जाना चाहिए। संस्थान में जो भी सुविधाएं हों उसका प्रस्तुतिकरण बेहतर ढंग से करना होगा। संस्थान में मेंटी मेंटर होना भी जरूरी है। छात्रों और शिक्षकों का संस्थान के प्रति फीडबैक का भी बहुत महत्व है। उनके फीडबैक के आधार पर बहुत से सुधार किये जा सकते हैं।

कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में उच्च शिक्षा ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। प्रदेश के 10 विश्वविद्यालयों ने नैक में उत्कृष्ट ग्रेडिंग पायी। नैक में ग्रेडिंग पाने से संस्थानों को तमाम फायदे मिलते हैं। उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिलती है। इस क्रम में विश्वविद्यालय अपने संबद्ध संस्थानों को अच्छी नैक ग्रेडिंग के लिए प्रयास कर रहा है। इस क्रम में तीन जोन में बांटकर संबद्ध संस्थानों में कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिससे कि संबद्ध संस्थान अच्छी नैक ग्रेडिंग पा सकें। कहा कि जिन संस्थानों ने नैक में ग्रेडिंग पाया है वो दूसरे संस्थानों की मदद भी करेंगे।

नैक बैंगलोर के पूर्व निदेशक एन राय ने नैक मूल्यांकन के विभिन्न चरणों पर विस्तार से जानकारी साझा की। बताया कि नैक से बेहतर ग्रेडिंग पाने के लिए अच्छी प्लानिंग और प्रस्तुतिकरण काफी मायने रखती है। कहा कि नैक टीम पर संस्थानों का दौरा करती है तो कुछ खास ध्यान रखना चाहिए। इस क्रम में नैक विशेषज्ञ एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो0 वीएल गोले ने नैक क्राइटेरिया 1, 3, धर्मसिंह देसाई विश्वविद्यालय गुजरात के प्रो0 नरेश के पटेल ने क्राइटेरिया 2, 5, 6 , एचबीटीयू कानपुर की प्रो0 वंदना के दीक्षित ने क्राइटेरिया 7 और नैक बैंगलोर की पूर्व सलाहकार प्रो0 के रामा ने ऑनलाइन माध्यम से क्राइटेरिया 4 की विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद सवाल जवाब सत्र भी हुआ। जिसमें विशेषज्ञों ने सवालों के जवाब दिये। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ जलसंरक्षण का संदेश देते हुए जल भरो से हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 आंजनेय शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद परीक्षा नियंत्रक प्रो0 राजीव कुमार ने दिया. समन्वय कुलसचिव रीना सिंह ने किया। इस मौके पर विशेष सचिव उच्च शिक्षा सीपू गिरी, , एफओए की डीन प्रो0 वंदना सहगल, आइईटी के निदेशक प्रो0 विनीत कंसल, कार्यशाला के नोडल ऑफिसर प्रो0 ओपी सिंह, सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज के निदेशक प्रो0 वीरेंद्र पाठक, डीन पीजी प्रो0 सीतालक्ष्मी, डीन यूजी प्रो0 अनुराग त्रिपाठी सहित विभिन्न संबद्ध संस्थानों के निदेशक, प्राचार्य आदि उपस्थित रहे।

रामलीला मैदान महानगर में हुआ विशाल भंडारा

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। श्री रामलीला समिति महानगर लखनऊ के संयोजन में रामलीला मैदान महानगर में ज्येष्ठ के प्रथम मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें राजधानी के हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम सुंदरकांड का पाठ तत्पश्चात आरती की गई और प्रसाद वितरण का शुभारंभ हुआ।भंडारा देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी, उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र जोशी,वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद कुमार पंत, महासचिव हेम पंत, क्रीड़ा सचिव देवेंद्र मिश्रा आदि सहित सभी सदस्यों ने प्रसाद वितरण करने में सहयोग किया। मुख्य व्यवस्थापक दीपक पांडे दीनू जी का विशेष सहयोग रहा।

सेठ एम आर जयपुरिया गोयल कैंपस में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। सीबीएसई दसवीं और बारहवीं में शानदार सफलता अर्जित करने के लिए विद्यालय प्रशासन की ओर से ष्सम्मान समारोहष का आयोजन किया गया।इस अवसर पर गोयल इंस्टिट्यूटस के चेयरमैन महेश अग्रवाल ,प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक एवं अन्य गणमान्य अतिथि एवं छात्रों के माता पिता उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन की ओर से कक्षा दसवीं की अदिति सिंह को (14200), कंप्यूटर में सर्वोच्च अंक अर्जित करने के लिए काव्या, अलंकृति, शांभवी, अनन्यमणि , नित्या, सौरभ को 2100 रुपए की धनराशि प्रदान की गई। वही कक्षा बारहवीं के सर्वोच्च अंक अर्जित करने वाले जीवविज्ञान के छात्र उस्मान मोहम्मद(12100) महर्षिमणि त्रिपाठी, विष्णु वर्मा, जया वर्मा , सुधांशु मणि को 2100 की धनराशि प्रदान कर विद्यालय ने उनका सम्मान किया। प्रधानाचार्या ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामना दी।

ज्येष्ठ माह के पहले मंगल पर पूरा जिला हनुमान के जयकारे से गुंजायमान

हरदोई। ज्येष्ठ माह के पहले मंगल पर पूरा जिला हनुमान के जयकारे से गुंजायमान हो रहा है। गांव से लेकर शहर तक जगह–जगह भंडारे, शरबत वितरण आदि का आयोजन हो रहा है। घर व मंदिरों में सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ चल रहा है। ज्येष्ठ के पहले मंगल को जिले में पूरे धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से ही भक्तों का मंदिरों में आना शुरू हो गया। गांव से लेकर शहर तक हर जगह महाबली हनुमान की आराधना की जा रही है। हर आधा किलोमीटर पर भंडारे का आयोजन हो रहा है। इसके अलावा शरबत, बूंदी आदि का प्रसाद भी जगह–जगह वितरित किया जा रहा है। घरों से लेकर मंदिरों तक सुंदरकांड, हनुमान चालीसा आदि का पाठ किया जा रहा है।

भक्तों ने नगर के प्रमुख राम जानकी मंदिर में रामचरित मानस के पाठ का आयोजन किया , जिसका समापन बड़े मंगल को हुआ। लालेश्वर धाम स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर पर आचार्य रामानुजाचार्य द्वारा राम कथा का श्रवण कराया जा रहा है। पूरा जिला हनुमान जी के भक्ति में सराबोर है। गांव से लेकर शहर तक बजरंगबली का जय घोष सुनाई पड़ रहा है।

बड़े मंगल को लेकर लोग काफी उत्साहित हैं। खेतुई स्थित बालाजी मंदिर पर सुबह से भक्तों की काफी लंबी लाइन लगी हुई है। अल्हापुर सैदीखेल में सभासद रमाकांत मौर्य की टोली ने भंडारे का आयोजन किया। जहाँ भंडारे की शुरुआत भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता, सभासद रचित गुप्ता, अजीत कुमार आदि हनुमान पूजा से की। भयंकर गर्मी का असर भी भक्तों पर नहीं दिखाई दे रहा है। दोपहर में यहां भक्तों का तांता लगा हुआ है। मंदिर के बाहर मेले जैसा नजारा लग रहा है। मंदिर के आसपास तमाम भक्तों द्वारा शरबत वितरण कराया जा रहा है।

ख्यातिलब्ध चिकित्सक स्व. डा. रामदत्त मिश्र की 36वीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

जिले के ख्यातिलब्ध चिकित्सक डॉ. रामदत्त मिश्र की 36वीं पुण्यतिथि पर निःशुल्क मधुमेह जांच शिविर का आयोजन रामदत्त चौराहा स्थित उनके क्लीनिक पर किया गया। शिविर से पूर्व उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। शिविर में स्व. डॉ. मिश्र के पुत्र कृपालु साधक डॉ. राजेन्द्र दत्त मिश्र ने मधुमेह के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता एवं सावधानी से मधुमेह से बचा जा सकता है। शिविर की अध्यक्षता प्रो. अखिलेश वाजपेई ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. मिश्र जिले के ही नहीं बल्कि आसपास के कई जिलों में विख्यात थे। वह चिकित्सक होने के साथ–साथ एक सहृदय इंसान और सेवा के प्रति समर्पण रखने वाले व्यक्तित्व थे। कृपालु साधक डॉ. मिश्र ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मधुमेह की बीमारी पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मधुमेह नामक बीमारी मीठा खाने से नहीं बल्कि असंतुलित भोजन से होती है। इसके बारे में पूरी जानकारी रखकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। डॉ. मिश्र ने बताया कि शुगर का ताल्लुक मिठाई से बिल्कुल नहीं है। यह बीमारी अत्यधिक कैलोरीज लेने से उत्पन्न होती है। यदि व्यक्ति आवश्यक कैलोरीज के लिए ही खाद्य पदार्थों का सेवन करे तो काफी हद तक इससे बचा जा सकता है। उन्होने बताया कि आज देश में 7.5 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित हैं। यह धीरे–धीरे संक्रामक रोग बनती जा रही है। उन्होने कहा कि यह बीमारी तीन प्रकार की होती है। जिसे संतुलित खान–पान अपनाकर व डॉक्टर के परामर्श से ठीक भी किया जा सकता है। उन्होने प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपना एक पारिवारिक चिकित्सक नियुक्त करना चाहिए। उसी की सलाह पर इलाज भी लेना चाहिए। कभी खुद डॉक्टर बनने की कोशिश न करें। उन्होने गूगल व यू–ट्यूब से इलाज न करने की सलाह दी। उन्होंने मधुमेह के कारणों का जिक्र करते हुए कहा कि यह बिगड़ी हुई दिनचर्या, शारीरिक गतिविधियों के न करने, तनाव लेने व उचित इलाज न करने के कारण उत्पन्न होता है। शारीरिक गतिविधियों जैसे व्यायाम, नियमित दिनचर्या और संतुलित आहार से इससे बचा जा सकता है। उन्होने मौजूद लोगों को निर्धारित आहार के बारे में भी बताया। शिविर का आयोजन साधक सत्संग सेवा समिति की ओर से किया गया। आईएएस अधिकारी राजीव दत्त मिश्र (असिस्टेंट डायरेक्टर इंडियन फारेन ट्रेड सर्विस) ने चित्र पर माल्यार्पण किया। शिविर में डॉ. नवीन सक्सेना, डॉ. तिरुपति आनन्द, डॉ. सौरभ दयाल, डॉ. अनन्या, विमलेश बाजपेई, राजीव सेठ, मुकुल बाजपेई, उदय खत्री, पृथ्वी खत्री, मानसी सिंह, देवना, अंकिता, लवी, अन्नू, विक्रांत सिंह, अतुल बाजपेई, राकेश सिंह, अक्षय, संजय टंडन, विजय अग्रवाल, रमेश गोयल, सोनू, अमन, संजय, अनन्त, अशोक सेठ आदि ने सहयोग किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष सुखसागर मिश्र, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामप्रकाश शुक्ल, शिशुपाल सिंह, अविनाश गुप्ता समेत तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ईवीएम की गाड़ी रोकने व सरकारी काम मे बाधा डालने पर दो ज्ञात व 50 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। 25 मई शनिवार को संपन्न हुए मतदान के बाद रिजर्व ईवीएम लदे वाहन के मतगणना स्थल पर पहुंचने पर सपाईयों ने हंगामा किया था। हालांकि प्रशासन द्वारा कहा गया था कि वाहन गलती से मतगणना स्थल पहुंच गया था। इस मामले में पुलिस मंगलवार को दो नामजद व 50 अज्ञात पर एफआईआर दर्ज किया है। जौनपुर में शनिवार को मतदान समाप्त होने के बाद वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बने स्ट्रांग रूम में उस समय हड़कंप मच गया जब म्टड से भरा एक मिनी ट्रक वहाँ पहुँचा। मौके पर मौजूद समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा के समर्थकों ने उसे रोका और पूछताछ शुरू कर दिया। मिनी ट्रक पर सवार ड्राइवर व अधिकारी ने बताया कि ये रिजर्व म्टड है जो मतदान के दौरान खराब होने पर बदली जाती है और गलती से यहाँ चली आयी। फिर क्या था देखते ही देखते सपा कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लग गया और मौके पर डीएम एसपी सहित अन्य अधिकारी पहुंच गये।सपा कार्यकर्ताओं का कहना था कि ईवीएम मशीन को जिस तरह से बिना जांच पड़ताल के मिनी ट्रक के जरिए यहां लाया गया उसे यह संदेह पैदा होता है कि वोटो की गिनती के दौरान कुछ गड़बड़ी करने की कोशिश की जा रही है। करीब 5 घंटे तक सपा कार्यकर्ता , बाबू सिंह कुशवाहा अपने दो विधायक लकी यादव और पंकज पटेल के साथ अधिकारियों से बातचीत करते रहे आखिरकार कागजों के मिलान के बाद यह पता चला कि यह म्टड रिजर्व रखी गई थी और गलती से कलेक्टर परिसर के स्थान पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय के परिसर में पहुंच गई। बाबू सिंह कुशवाहा अपने कार्यकर्ताओं को समझाया पुलिस के मुताबिक जिले में धारा 144 लागू होने के कारण शांति व्यवस्था व सरकारी काम में बाधा उत्पन्न करने को लेकर सभासद जगदीश मौर्य उर्फ गप्पू निवासी कोतवाली, रमेश मौर्य निवासी सरायख्वाजा व 50 अज्ञात पर सरायख्वाजा में मुकदमा दर्ज किया गया।

अभ्युदय संस्थान की तरफ से भंडारे का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। सीतापुर रोड स्थित हठी बाबा मंदिर पर पहला बड़ा मंगल के मौके पर भंडारा किया गया। इस भंडारे में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। अभ्युदय संस्थान की तरफ से भंडारे का आयोजन किया गया। पिछले 13 साल से यहां भंडारे का आयोजन हो रहा है। प्रसाद में पूड़ी सब्जी, कढ़ी चावल बूंदी वितरित किया गया।इस मौके पर राहुल मिश्रा, संरक्षक ,डॉ नीरज शुक्ला अध्यक्ष, एडवोकेट मनोज मिश्रा महामंत्री, डॉक्टर अमरीश वाजपेई कोषाध्यक्ष, सैचिव विकास सिंह हर्षित मिश्रा सदस्य समेत बड़ी संख्या में आयोजक समिति के लोग मौजूद रहे। 3 हजार लोगों के लिए भंडारे में प्रसाद की व्यवस्था की गई।भंडारा स्थल पर लोगों को बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था की गई। कूलर पंखे भी लगाए गए थे। इसके साथ ही पीने के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी भक्तों के लिए की गई।

बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या

शामली, संवाददाता। बाबरी थानाक्षेत्र के गांव भिक्का माजरा के पास नहर पटरी पर बाइक सवार युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। गांव भिक्का माजरा निवासी अनुज (35) रविवार सुबह करीब दस बजे घर से बाइक द्वारा शामली आया था। इसके बाद वह शाम को बाइक से घर लौट रहा था। बताया गया है कि गांव से पहले नहर पटरी पर स्कूल के पास अनुज का खून से लथपथ हालत में पड़ा था। पास में ही उसकी बाइक पड़ी थी। युवक को कुड़ाना सीएचसी ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर बाबरी थाना पुलिस व फोरेंसिक टीम पहुंचकर जांच पड़ताल की। एएसपी संतोष कुमार सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था। तीनों गांव में ही रहकर खेती करते थे। एएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि गांव भिक्की माजरा निवासी युवक गांव से पहले नहर पटरी पर मिला है। उसके सीने में गहरी चोट लगी है। मौके पर किसी गाड़ी के प्लास्टिक का सामान टूटा हुआ पड़ा मिला है। युवक की गोली मारकर हत्या की गई या दुर्घटना में मौत हुई है। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही पता चल पाएगा।

कड़ी सुरक्षा में कोर्ट पहुंचे इरफान, फिर टला फैसला, अब 3 जून को होगी सुनवाई

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के जाजमऊ आगजनी मामले में एमपीएमएलए सेशन कोर्ट का फैसला एक बार फिर टल गया है। कोर्ट ने अब फैसले के लिए 3 जून की तारीख दी है। आगजनी मामले के मुख्य आरोपी सपा विधायक इरफान सोलंकी को महराजगंज जेल से कड़ी सुरक्षा में कानपुर लाया गया। इस दौरान एमपीएमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने फैसले के लिए दोपहर 3 बजे का समय निर्धारित किया। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस इरफान को कोर्ट लाने से पहले ही सुरक्षा कारणों के चलते पुलिस लाइन ले गई वहां कड़ी सुरक्षा में इरफान को रखा गया है। दोपहर लगभग 3 बजे इरफान को कोर्ट लाया गया। जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई का समय बढ़ाकर 4 कर दिया। कोर्ट पहुंचते ही इरफान बोले कि अभी मैं जिंदा हूं। जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में स्थित एक प्लाट में रहने वाली नजीर फातिमा के घर में 7 नवंबर 2022 को आग लग गई थी। नजीर ने सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी व उनके साथियों पर आग लगाने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि वह परिवार सहित रिश्तेदारी में एक विवाह समारोह में गई थीं। वहां से बीच में उनका बेटा किसी काम से घर आया था तो उसने देखा कि घर पर आग लगी थी। आरोपियों ने बेटे के साथ भी मारपीट की थी और उसे आग में धकेलने की कोशिश भी की गई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी से बचने का कोई चारा न दिखाई देने पर आखिर इरफान ने अपने भाई रिजवान के साथ पुलिस कमिश्नर के यहां समर्पण कर दिया था।

इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया था। जेल में विधायक से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री व सपा मुखिया अखिलेश यादव पहुंचे थे इसके बाद सुरक्षा कारणों से जेल अधीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर इरफान को कानपुर से महराजगंज जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। तब से इरफान महराजगंज जेल में ही बंद हैं। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने अब तक 12 आरोपियों के खिलाफ 6 चार्जशीट कोर्ट में पेश की हैं। पहली दो चार्जशीट में इरफान व रिजवान को आरोपी बनाया गया था जबकि दूसरी में मोहम्मद शरीफ, शौकत अली व इसराइल आटे वाला आरोपी थे। बाकी चार चार्जशीट अलग–अलग बाद में भेजी गई थीं। शुरुआती दोनों चार्जशीट के पांच आरोपियों के मुकदमों की सुनवाई एमपीएमएलए सेशन कोर्ट में पिछले 1 मार्च को पूरी हो गई थी। इसके बाद अलग–अलग कारणों से फैसला टलता रहा। इरफान महाराजगंज जेल में बंद है जबकि रिजवान, शौकत अली व इसराइल आटे वाला कानपुर जेल में बंद हैं। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद मोहम्मद शरीफ जेल से रिहा हो चुका है।

चांदी कारोबारी की पत्नी का कत्ल – बदमाशों ने लूटपाट से पहले की हत्या

आगरा, संवाददाता। आगरा के कमला नगर में चांदी कारोबारी की पत्नी मंजू गुप्ता की हत्या और लूटपाट में करीबी के हाथ होने का अंदेशा जताया जा रहा है। घटनास्थल पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने रसोईघर और अन्य स्थानों से साक्ष्य संकलित किए हैं। गला दबाकर हत्या करने के बाद लूटपाट की गई है। फ्लैट में परिजन और करीबी लोगों का ही आनाजाना था। कारोबारी अपनी पत्नी और नातिन के साथ किराये पर रहते थे। कारोबारी की दो बेटियों में एक लखनऊ तो दूसरी दयालबाग में रहती हैं, जोकि बैंक अधिकारी हैं। मूक बधिर नातिन इस बेटी की है। कारोबारी ने एक बेटा गोद भी लिया हुआ है। वह भी अपने परिवार के साथ अलग रहता है। फ्लैट की दूसरी चाबी कारोबारी की पत्नी के पास रहती थी।

बदमाश हत्या व लूट के बाद फ्लैट का बाहर से लॉक लगाकर गए हैं। पुलिस का कहना है कि आसपास के लोगों ने भी किसी को आते जाते नहीं देखा। दोपहर में भीषण गर्मी के कारण अपार्टमेंट में रहने वाले परिवार भी अपने फ्लैटों में ही थे। इस कारण किसी की नजर नहीं गई। वहीं रविवार होने के कारण डांस एकेडमी भी बंद थी। अपार्टमेंट में सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हुए हैं। यह जानकारी भी यहां आने जाने वाले व्यक्ति को ही हो सकती है। पुलिस का मानना है कि बदमाशों को कारोबारी के आने–जाने के समय के साथ ही अपार्टमेंट के लोगों के बारे भी जानकारी रही होगी। रविवार को एकेडमी बंद रहती है। यह भी पता होगा। उन्होंने घटना को किस वक्त अंजाम दिया, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद पता चल सकेगा। घटना को जिस तरह से अंजाम दिया गया है उससे प्रतीत होता है कि किसी करीबी के फ्लैट पर आने पर ही गृहस्वामिनी ने दरवाजा खोला होगा। इसके बाद ही घटना को अंजाम दिया गया है।

रास्तों के सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस

कमला नगर में हुई लूट व हत्या के बाद पुलिस बदमाशों के सुराग के लिए कॉलोनी के आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। घटनास्थल पर खोजी कुत्ते को लाया गया। फोरेंसिक टीम ने नमूने लिए। खोजी श्वान भी कालोनी में इधर उधर ही घूमता रहा। बदमाशों के रास्ते का सुराग नहीं दे सका। देर रात को पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड ने भी घटनास्थल का मुआयना किया।

छह दिन से लापता वृद्धा का शव पड़ोस के गांव में क्षत–विक्षत हालत में मिला, जांच में जुटी पुलिस

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले में पिछले छह दिन से लापता वृद्धा विधवा का शव समीप के गांव में सुनसान जगह पर तालाब किनारे बनी बगिया में क्षत विक्षत हालत में पड़ा मिला। वृद्धा के कमर के नीचे का हिस्सा गायब है। इससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना पाकर थानाध्यक्ष राकेश कुमार मौके पर पहुंचे और घटना से आला अफसरों को अवगत कराया। सूचना पाकर सीओ सदर डॉग स्क्वायड टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थानाक्षेत्र के विदोखर मेंदनी निवासी रतिराम वर्मा की पत्नी सूरजी (75) गत 20 मई को अचानक लापता हो गई थीं। इसके चार पुत्र मदनपाल, संतोष कुमार, चंद्रपाल, लखनपाल हैं। पति की मौत के बाद यह अपने पुत्र संतोष कुमार के साथ रहती थीं। मां के लापता होने पर संतोष कुमार ने 22 मई को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। सोमवार को वृद्धा का शव पड़ोसी गांव विदोखर पुरई में

भगवन तालाब के किनारे बनी बगिया में क्षत विक्षत हालत में पड़ा ग्रामीणों ने देखा तो सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी विदोखर पुरई प्रधान सुंदरलाल प्रजापति को दी। ग्राम प्रधान ने शव पड़े होने की सूचना इंगोहटा पुलिस चौकी को दी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष राकेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आला अधिकारियों को अवगत कराया। वृद्धा के कमर के नीचे का हिस्सा गायब है। सूचना पाकर सीओ सदर राजेश कमल डॉग स्क्वायड टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के पुत्र संतोष कुमार ने हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है। जिस जगह पर शव पड़ा पाया गया है। उस जगह पर खून आदि नहीं मिला है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि वृद्धा की हत्या कहीं और करके शव का एक हिस्सा यहां पर फेंका गया है। पुलिस गहनता के साथ जांच पड़ताल कर रही है।

अवैध यूनिपोल और होर्डिंग्स लगाने का मामला, निगम ने चार एजेंसियों पर किया 52.80 लाख जुर्माना

मेरठ, संवाददाता। मेरठ महानगर में अवैध रूप से यूनिपोल और होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं। जांच के दौरान अभी तक सैड़कों अवैध यूनिपोल और होर्डिंग्स पाए जा चुके हैं। नगर निगम ने ऐसी ही चार विज्ञापन एजेंसियों पर कार्रवाई करते हुए 52.80 लाख रुपये जुर्माना किया है। आठ दिनों में विज्ञापन पट स्वयं उतारने की चेतावनी दी गई है। ऐसा नहीं करने पर नगर निगम यूनिपोल और होर्डिंग्स को उतारकर जब्तीकरण की कार्रवाई करेगा। महानगर में काफी लंबे समय से अवैध यूनिपोल और होर्डिंग्स लगाने का कारोबार खूब हो रहा है। निजी भवनों, निजी जमीन के अलावा सरकारी भवनों, भूमि पर भी यूनिपोल और होर्डिंग्स लगाए जा रहे हैं। मुंबई के घाटकोपर में हुए होर्डिंग्स हादसे के बाद शासन ने भी पूरे प्रदेश में अवैध रूप से लगे यूनिपोल और होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई निर्देश सभी निकायों को दिए। इसके बाद नगर निगम ने इस ओर कार्रवाई की।

पहले जांच की गई तो महानगर में सैकड़ों की संख्या में अवैध रूप से लगाए गए यूनिपोल और होर्डिंग्स मिले। जिस पर यूनिपोल और होर्डिंग्स लगाने वाली विज्ञापन एजेंसियों को नोटिस जारी किए गए। अब जुर्माने की कार्रवाई की जा रही है। अपर नगरायुक्त प्रमोद कुमार ने बताया कि जांच के उपरांत चार विज्ञापन एजेंसियों पर 52.80 लाख रुपये जुर्माना किया गया है। इनमें मैसर्स अभिनव एडवरटाइजिंग एजेंसी पर 13.80 लाख रुपये, मैसर्स ओशियन एडवरटाइजिंग सोल्यूशन पर 9.60 लाख रुपये, मैसर्स हीरा एडवरटाइजिंग पर 21.00 लाख रुपये और मैसर्स आरएस एटरप्राइजिज पर 8.40 लाख रुपये का जुर्माना किया गया है। सभी को आठ दिनों में अपने विज्ञापन पटो को स्वयं उतारने के आदेश दिए गए हैं। ऐसा नहीं करने पर नगर निगम संपत्तियों की जब्तीकरण करेगा।

लोगों ने की नाला निर्माण बंद कराने की मांग

कुछ लोगों ने महापौर और नगरायुक्त को ज्ञापन देकर सुभाषनगर में बनाए जा रहे नाला निर्माण का काम बंद कराने की मांग की है। सुभाषनगर पूर्व शेखलाल निवासी सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष जाटव, मोहम्मद यामीन, सोनू सैफी, राहुल जाटव, पूर्व पार्षद अफजाल सैफी, सपा नेता आफाक इम्तियाज, सनी लोधी, पप्पू खान, कल्लू, आरिफ चौहान, सिराज ने महापौर और नगरायुक्त को दिए ज्ञापन में अवगत कराया कि वार्ड नंबर 29 के अंतर्गत पूर्वा तकीहुसैन के सामने से हाशिमपुरा पुलिस चौकी के पीछे से लेकर सुभाष नगर गली नंबर एक की पुलिया तक बाएं साइड में पिछले 30–35 वर्षों से कुछ लोग ठेले लगाकर अपना जीवन यापन कर रहे थे। उनको बेरोजगार करने के लिए भाजपा के कुछ नेताओं द्वारा नगर निगम के अधिकारियों को गुमराह करके और नगर निगम के राजस्व को नुकसान पहुंचाने के लिए अवैध रूप से नाला का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी वहां आवश्यकता नहीं है।

कोचिंग में बाइक खड़ी करने पर छात्र को पीटा, 10 छात्रों पर रिपोर्ट

बांदा, संवाददाता। कोचिंग में बाइक खड़ी करने को लेकर छात्रों के दो गुटों के बीच कहासुनी हो गई। एक छात्र पर जानलेवा हमला करते हुए डंडों, बेल्टों व रॉड से पीटकर लहूलुहान कर दिया। छात्र को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छात्र की तहरीर पर 10 आरोपी छात्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। शहर कोतवाली क्षेत्र के गायत्रीनगर मोहल्ला निवासी आयुष (17) सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 12 का छात्र है। वह डीएम कालोनी स्थित एक कोचिंग में रोजाना पढ़ने जाता है। आयुष ने बताया कि शनिवार की शाम वह अपने मित्र प्रांजल की बाइक में बैठकर कोचिंग में पढ़ने गया था। वहां दूसरे छात्रों के गुट से उसका बाइक खड़ी करने को लेकर विवाद हो गया। कोचिंग पढ़कर जब वह प्रांजल के साथ बाइक से जा रहा था तभी पीछे से आए दूसरे गुट के बाइक सवार छात्रों ने बाइक में धक्का देकर उसे गिरा लिया और डंडों, बेल्ट व रॉड से पीटकर लहूलुहान कर दिया।

कोचिंग से पढ़कर निकल रहे कुछ छात्रों ने उसे बचाकर परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे मित्रों और परिजनों ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। आयुष ने बताया कि उसने कोतवाली में 10 छात्रों के खिलाफ अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शहर कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि छात्रों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई है। गंभीर घायल छात्र को भर्ती कराया गया है। अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

एंबुलेंस ने मां-बेटे को टक्कर मारी, मासूम को कुचला, मौत से मच गया कोहराम

औरैया, संवाददाता। औरैया–दिबियापुर मार्ग पर ऑटो से उतरकर गोद में बेटे को लेकर गांव जा रही गांव जमुहीं निवासी एक महिला को तेज रफ्तार 102 एंबुलेंस ने टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर से मां दूर जा गिरी, जबकि एंबुलेंस ने बेटे को रौंद दिया। दिबियापुर सीएचसी में चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। गांव जमुहीं निवासी कामिनी बेगम पत्नी सलीम खान अपना इलाज कराने के लिए चिचौली जिला अस्पताल गई थी। कामिनी के साथ उसका बेटा अरशद और सबसे छोटा डेढ़ वर्षीय बेटा फैज भी गया था। सोमवार दोपहर तकरीबन दो बजे कामिनी अपने गांव जाने के लिए औरैया–दिबियापुर मार्ग पर स्थित जनता महाविद्यालय के सामने वह ऑटो से उतर गई। कामिनी अपने गांव की ओर मुड़ी ही थी, तभी तेज रफ्तार एंबुलेंस ने कामिनी और बेटे फैज को टक्कर मार दी। एंबुलेंस की टक्कर से कामिनी दूर जा गिरी जबकि फैज को एंबुलेंस ने रौंद दिया।

आनन–फानन आसपास के लोगों ने एंबुलेंस के जरिए घायलों को दिबियापुर सीएचसी में भर्ती कराया। यहां पर चिकित्सकों ने फैज को मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाइयों समीर, अरशद, फरहान से छोटा था। मासूम की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि मृतक का पिता सलीम काम से दिल्ली गया हुआ है। घटना की जानकारी होने पर प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान, एनटीपीसी चौकी प्रभारी सोनी रावत समेत पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने टक्कर मारने वाली एंबुलेंस को अपने कब्जे में ले लिया है। हालांकि अभी तक चालक का पता नहीं चल पाया है। थाना दिबियापुर के प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। एंबुलेंस किसी मरीज को लेने जा रही थी, इसके बारे में जानकारी की जा रही है।

जेसीबी से उखाड़ दी केबिल, नौ घंटे गुल रही 15 इलाकों की बिजली

सहारनपुर, संवाददाता। कोतवाली नगर के पास सेतु निगम द्वारा पुल और पार्किंग बनाने कार्य दौरान जेसीबी से खुदाई करते हुए विद्युत निगम की भूमिगत केबिल उखाड़ दी। इससे नौ घंटे 15 इलाकों की बिजली गुल रही। गर्मी में 30 हजार से अधिक की आबादी को मुसीबत झेलनी पड़ी। विद्युत निगम ने सेतु निगम पर 2.50 लाख जुर्माना लगवाया है। इसके अलावा रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल, स्मार्ट सिटी के तहत सेतु निगम पुल और पार्किंग बनाने कार्य कर रहा है। नगर कोतवाली के पास रविवार की सुबह चार बजे जेसीबी से खुदाई करते हुए विद्युत निगम की भूमिगत केबिल उखाड़ दी। इसके पश्चात उसके ऊपर मिट्टी डाल दी गई। इससे चौक फव्वारा, मोरगंज बाजार, गौरी शंकर बाजार, नया बाजार, चौकी सराय, मोहल्ला मुफ्ती, मोहल्ला कायस्थान, रानी बाजार सहित 15 इलाकों की बिजली गुल हो गई। विद्युत सप्लाई बंद होने का पता लगते ही खुमरानपुल बिजलीघर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने क्षेत्र की सभी लाइनें चेक कराई, लेकिन विद्युत लाइन कहीं फाल्ट नहीं मिला। 11 बजे पता चला कि सेतु निगम ने खुदाई के दौरान भूमिगत लाइन उखाड़ दी है। इसके पश्चात अन्य लाइनें से विद्युत निगम ने दोपहर एक बजे आपूर्ति सुचारू कराई। नौ घंटे बिजली गुल होने लोग परेशान रहे। खुमरानपुल बिजली घर के एसडीओ रोबिन शर्मा ने बताया कि सेतु निगम की लापरवाही से लोगों को परेशान होना पड़ा है। क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति अन्य लाइनों से सुचारू कराई है। उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर 2.50 लाख का जुर्माना सेतु निगम पर लगाया गया है। क्योंकि, भूमिगत लाइन बिछाने में इतना खर्च आया था। एसडीओ का कहना है कि कुछ समय पूर्व किशनपुरा में भूमिगत लाइन की केबिल को उखाड़ दी गई। विभाग की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी।

ढाबा संचालक ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा, वर्दी फाड़ी, 20 मीटर तक घसीटे

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के कंकरखेड़ा में एनएच–58 हाईवे पर खड़ौली चौराहे के पास एक होटल संचालक व कर्मचारियों ने ट्रक हटवाने के विवाद में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को दौड़ा–दौड़ाकर पीटा। उनकी वर्दी फाड़ दी। उन्हें 20 मीटा तक हाईवे पर घसीटा गया। इस दौरान हाईवे पर जाम लग गया। घटना के बाद हमलावर भाग गए। पीड़ित ट्रैफिक कर्मियों ने थाने में तहरीर दी। रविवार रात साढ़े नौ बजे शोभापुर फ्लाईओवर के पास जाम लग रहा था। थोड़ी देर में जाम खड़ोली चौराहे से भी आगे तक लग गया। टीएसआई मनीष व कांस्टेबल विकास ट्रैफिक व्यवस्था को देख रहे थे। दोनों ट्रैफिक पुलिस कर्मी जाम खुलवाने के लिए खड़ौली चौराहे के पास पहुंचे। इसी बीच मुजफ्फरनगर की तरफ से ट्रक आया और होटल के सामने रुक गया। उसे हटवाने के लिए दोनों पुलिसकर्मी पहुंचे।

आरोप है कि होटल संचालक ने ट्रक हटवाने को लेकर ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता शुरू कर दी। कुछ ही देर में आरोपी ने फोन कर अपने 24 साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद आरोपियों ने ट्रैफिक कर्मियों के साथ मारपीट की। ट्रैफिक कर्मियों को घसीटते हुए हाईवे के बीचों–बीच ले गए। अन्य लोगों ने किसी तरह ट्रैफिक कर्मियों को हमलावरों से बचाया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक से टकराई डीसीएम, चालक समेत दो की दर्दनाक मौत हुई

कानपुर, संवाददाता। कानपुर देहात में रनियां थाना क्षेत्र के राजेंद्रा चौराहा के पास खड़े ट्रक में पीछे से डीसीएम टकरा गई। हादसे में डीसीएम चालक सत्यानंद (50) निवासी महामदा, उरई जालौन, हेल्पर अख्तर (40) निवासी उरई, जालौन की मौत हो गई। डीसीएम अकबरपुर से कानपुर की ओर जा रही थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने केबिन से दोनों को बाहर निकाल कर मोर्चरी भिजवाया।

कार ने बाइक में मारी टक्कर, बांदा के दंपती की मौत हो गई

बांदा, संवाददाता। मध्य प्रदेश के पन्ना जिला के नरदहा चौकी के पास भीषण सड़क हादसा हुआ। बाइक सवार दंपती को कार ने टक्कर मारकर कुचल दिया। घटना सोमवार सुबह 7:30 बजे की है। पति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पत्नी ने अस्पताल में दम तोड़ा। हादसे में बांदा जिले के मोहल्ला सुभाष नगर (बरुआ स्योढा) निवासी लखन शर्मा (35) व पत्नी उर्मिला (27) की मौत हुई है। हादसे में कार सवार तीन लोग घायल हुए हैं। जिन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मृतक दंपती बांदा नरैनी के थे।

कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर महिला से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बांदा, संवाददाता। बच्चे की दवा कराने आई महिला को पति के दोस्त ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उससे दुष्कर्म किया। महिला ने तीनों आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 20 वर्षीय महिला ने सामूहिक दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि अपने बच्चे का इलाज कराने 21 मई को मेडिकल कॉलेज आई थी। यहां अतर्रा चुंगी के पास उसके पति का दोस्त तिंदवारा गांव निवासी शिवाकांत उर्फ शिवा उसे मिल गया। उसने महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिला दिया और उसे बाइक में बैठाकर मेडिकल कॉलेज के पीछे सुनसान जगह में ले गया। वहां उसके दो साथी हृदयेश व विनोद भी आ गए। उन्होंने बारी–बारी से दुष्कर्म किया। उसके बाद बाइक में बैठाकर गांव में छोड़ आया। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी शिवा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। महिला का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। शहर कोतवाली अनूप दुबे ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। उसके दो अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

मुस्लिम युवक ने किया युवती का अपहरण, रिपोर्ट दर्ज हुई

बांदा, संवाददाता। गिरवां थाना क्षेत्र के एक गांव से मुस्लिम युवक एक 18 वर्षीय युवती को अगवा कर ले गया। परिजनों ने बताया कि उसका धर्म परिवर्तन कराकर उसके साथ मुंबई में निकाह भी कर लिया। परिजनों ने गिरवां थाने में आरोपी युवक के खिलाफ युवती को अगवा किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। इंस्पेक्टर का कहना है कि पुलिस की एक टीम युवती व आरोपी को पकड़ने के लिए मुंबई भेजी गई है। गिरवां थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी 18 वर्षीय पुत्री को महुआ गांव का शकील 20 मई को अगवा कर ले गया है। युवती के मामा ने बताया कि आरोपी ने उसकी भांजी के साथ धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कर लिया है। पीड़ित पक्ष एसपी के समक्ष पेश हुआ। उसने युवती की बरामदगी की मांग की।

सब्जी मंडी परिसर में आढ़तियों की तीन दुकानों में लगी आग

कैराना, संवाददाता। शनिवार देर रात सब्जी मंडी परिसर में मौजूद तीन आढ़तियों की सब्जी की दुकानों में आग लग गई। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक काफी सब्जी व अन्य सामान जलकर खराब हो गया था। कैराना भूरा रोड स्थित सब्जी मंडी परिसर में मोहल्ला कायस्थवाड़ा निवासी सलीम, मोहल्ला खेलकला निवासी मो. सालिम व मोहल्ला बेगमपुर निवासी दिलशाद की सब्जी की दुकानें है। दुकानों में आढ़तियों ने सब्जियों का स्टॉक लगा रखा है। शनिवार की रात करीब साढ़े 11 बजे अचानक तीनों दुकानों में आग लग गई। आग लगने के बाद मंडी परिसर के गेट पर ड्यूटी पर तैनात होमगार्डों ने सब्जी विक्रेता समिति के अध्यक्ष मारूफ को फोन पर सूचना दी। जिसके बाद समिति के अध्यक्ष फायर ब्रिगेड को सूचना देते हुए दुकानदारों के साथ मौके पर पहुंचे। आग लगने से सलीम की 10 बोरी नींबू, 10 बोरी लहसुन, व 5 बोरी अदरक, मोहम्मद सालिम के कांटे, काउंटर व अन्य सामन तथा दिलशाद के 10 कट्टे प्याज, भिंडी लौकी व पांच बोरे नारियल के जलकर राख हो गए।

पति समेत पांच ससुरालियों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज

कानपुर, संवाददाता। दहेज के लिए पुत्री से मारपीट करने व प्रताड़ित करने से तंग होकर पुत्री द्वारा खुदकुशी किए जाने पर मृतका की मां की तहरीर पर दामाद, ससुर, व दो देवरों के खिलाफ खुदकुशी को उकसाने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। बिसंडा थाना क्षेत्र के परसेटा गांव निवासी रन्नो देवी ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने सात मई 2015 को अपनी बेटी संगीता की शादी बड़ागांव (बिसंडा) निवासी कमलेश के साथ दान दहेज देकर शादी की थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।